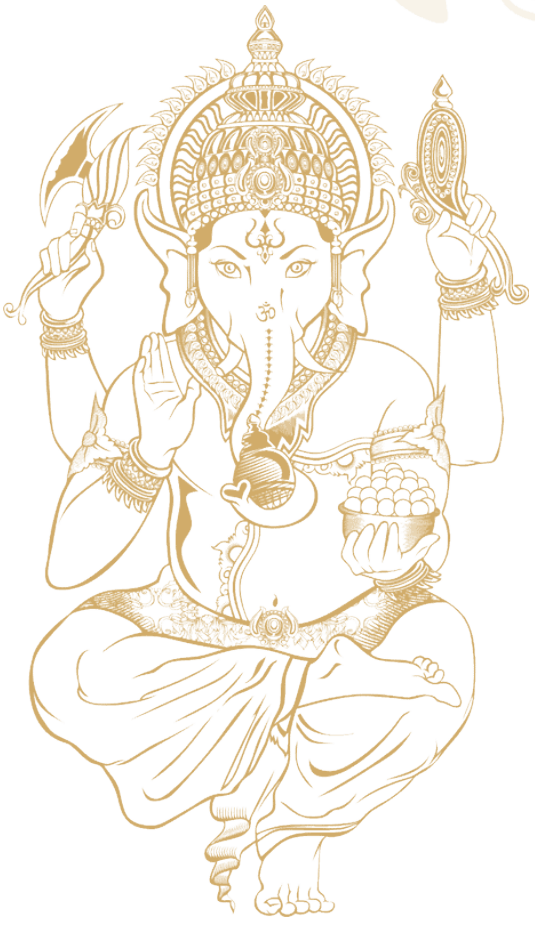

Abhishek Tiwari

Nikita Shukla

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121199402

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
4-05/09/1995	जन्म तिथि	04/06/1999
सोम-मंगलवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 04:28:00	जन्म समय	10:30:00 घंटे
घटी 55:21:14	जन्म समय(घटी)	11:28:27 घटी
India	देश	India
Nasik	स्थान	Lucknow
20:00:00 उत्तर	अक्षांश	26:50:00 उत्तर
73:52:00 पूर्व	रेखांश	80:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:32	स्थानिक संस्कार	-00:06:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:19:30	सूर्योदय	05:12:36
18:46:43	सूर्यास्त	18:56:49
23:47:57	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:44

विंशोत्तरी शुक्र 6वर्ष 3मा 1दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी चन्द्र 6वर्ष 11मा 13दि
राहु	21:45:20	कर्क	लग्न	कर्क	29:05:12	राहु
06/12/2024	18:08:13	सिंह	सूर्य	वृष	19:18:49	18/05/2013
06/12/2042	22:29:51	धनु	चंद्र	मक	14:03:40	18/05/2031
राहु 19/08/2027	04:39:45	तुला	मंगल व	तुला	00:36:09	राहु 29/01/2016
गुरु 11/01/2030	14:40:51	कन्या	बुध	मिथु	00:33:39	गुरु 23/06/2018
शनि 17/11/2032	13:22:14	वृश्चि	गुरु	मेष	01:47:31	शनि 29/04/2021
बुध 07/06/2035	22:13:40	सिंह	शुक्र	कर्क	04:28:11	बुध 17/11/2023
केतु 24/06/2036	28:16:45	कुंभ व	शनि	मेष	17:34:33	केतु 04/12/2024
शुक्र 25/06/2039	03:41:51	तुला व	राहु व	कर्क	20:51:09	शुक्र 05/12/2027
सूर्य 19/05/2040	03:41:51	मेष व	केतु व	मक	20:51:09	सूर्य 29/10/2028
चन्द्र 18/11/2041	03:07:37	मक व	हर्ष व	मक	22:52:37	चन्द्र 30/04/2030
मंगल 06/12/2042	29:12:58	धनु व	नेप व	मक	10:18:52	मंगल 18/05/2031
	04:13:35	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	15:10:18	

लग्न-चलित

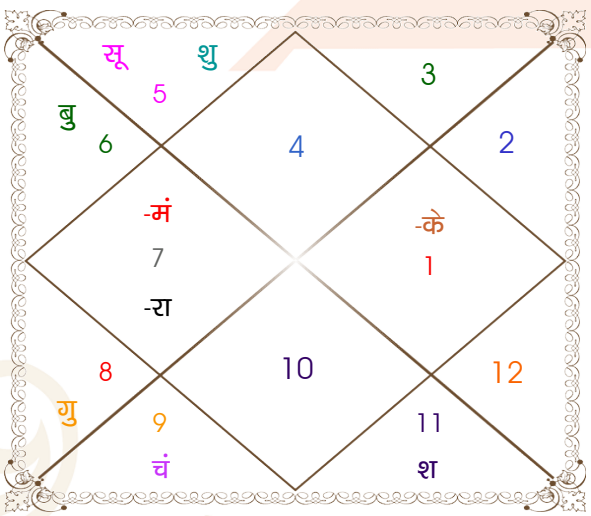

लग्न-चलित

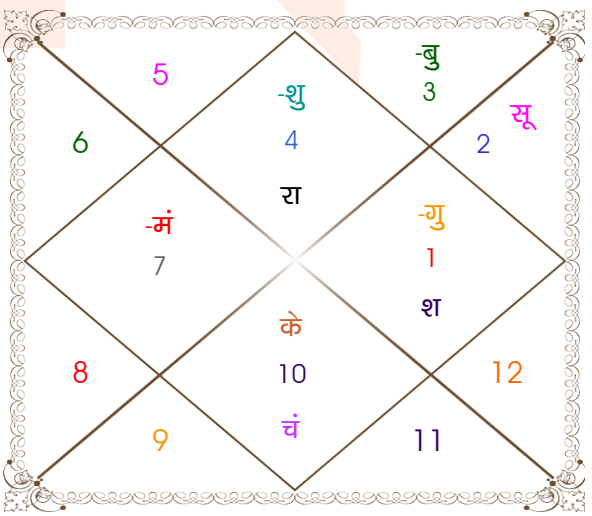

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	वानर	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

ıझीपीमा ज्यूंतप का वर्ग मूषक है तथा छपापजॅ ैनासं का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ıझीपीमा ज्यूंतप और छपापजॅ ैनासं का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

ıझीपीमा ज्यूंतप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु ıझीपीमा ज्यूंतप कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

छपापजॅ ैनासं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

FUTUREPOINT Astro Solutions
एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

क्योंकि राहु ।इीपेीमा ज्पूंतप कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

।इीपेीमा ज्पूंतप तथा छपापजौनासं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।